नव भारत

स्टाइपेंड बढ़वाने सड़क पर डटे रहे इंटर्न डॉक्टर, सीएम से चर्चा पर अड़े

लाठीचार्ज का आर्डर किसने दिया..

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 8 सितंबर. स्टाइपेंड बढ़ोतरी की मांग को लेकर एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन मंगलवार को पुलिस के लाठीचार्ज और वाटर केनन पर केंद्रित हो गया है. सोमवार को सीएम हाउस घेराव के दौरान हुए लाठीचार्ज और वाटर कैनन के विरोध में गुस्साए इंटर्न डॉक्टर रात भर कमला पार्क की सड़क पर ही डटे रहे.

वहीं इंटर्न डॉक्टरों के साथ हुई पुलिस की बर्बर्ता के बाद जूनियर डॉक्टर एसोशिएसन (जूडा) सहित सीनियर डॉक्टरों ने भी इस अभद्रता की कड़ी निंदा करते हुए अस्पतालों में अपनी सेवायें देने से इंकार करते हुए सरकार से तुरंत मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है.

जूनियर डाक्टरों का कहना है कि इंटर्न डॉक्टर अपनी न्यायसंगत मांग को लेकर सड़कों पर लोकतांत्रिक तरीके से उतरे थे. लेकिन बेवजह उन पर लाठियां बरसाई गई, वाटर कैनन का प्रयोग किया गया, जिससे कई डॉक्टरों को गंभीर चोंटे भी आई हैं. वहीं इंटर्न डॉक्टरों ने हड़ताल को जारी रखते हुए कहा कि जब तक मामले की जांच कर दोषियों को सजा नहीं दी जाती और लिखित तौर पर स्टाइपेंड को बढ़ाने का आश्वासन नहीं दिया जाता, हम आंदोलन को जारी रखेंगे.

घायल डॉक्टरों पर लाठीचार्ज और वाटर कैनन की होगी जांच

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा किए गए वाटर केनन के इस्तेमाल के मामले को पुलिस आयुक्त ने गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त विकास सहवाल को पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दे दिए हैं.

दूत की नहीं बनी बात

मौके पर बीजेपी चिकित्सा प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष डॉ हितेश बाजपेयी और डॉ अभिजीत देशमुख भी आंदोलन में पहुंचे. उन्होंने आंदोलन समाप्त कर डॉक्टरों से बातचीत का रास्ता चुनने को कहा, लेकिन इंटर्न डॉक्टर अपनी मांगो पर अड़े रहे.

लिखित आश्वासन चाहिए

आंदोलन के बीच मंगलवार को सुबह 10 बजे स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने इंटर्न डॉक्टरों को बातचीत के लिए बुलाया, लेकिन इंटर्न डॉक्टरों ने बातचीत से इंकार कर दिया. हालांकि बाद में इंटर्न डॉक्टरों का एक डेलीगेशन स्वास्थ्य मंत्री से बातचीत के लिए पहुंचा, लेकिन बात नहीं बन सकी.

स्वाथ्यमंत्री बोले- सीएम के लौटने पर निर्णय

इंटर्न डॉक्टरों के प्रतिनिधि मंडल से सकारात्मक चर्चा हुई है. डॉक्टरों का सड़क पर बैठकर प्रदर्शन जारी रखने और ट्रैफिक व्यवस्था पर भी बातचीत हुई है. जल्द ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लौटने पर स्टाइपेंड वृद्धि पर अंतिम निर्णय होगा.

-**डॉ. राजेन्द्र शुक्ला**, स्वास्थ्य मंत्री

जूडा ने भी ओपीडी छोड़ी सरकार ने दिए जांच के आदेश

प्रदेश भर में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई

मंगलवार को अस्पतालों की ओपीडी सेवायें स्थगित रहने से प्रदेश भर की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है. स्टाइपेंड बढ़ोत्तरी की मांग को लेकर भोपाल के हमीदिया अस्पताल सहित इंदौर के एमवाय अस्पताल और रतलाम समेत कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में नियमित ओपीडी सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं. वहीं ओटी का बहिष्कार किए जाने से दूर-दराज से आए हजारों मरीजों को बिना इलाज के लौटना पड़ा. इस दौरान अस्पतालों में हजारों मरीज इलाज के लिए भटकते रहे.

किन राज्यों में कितना स्टाइपेंड

पश्चिम बंगाल	30,000 से 44,000
असम	34,000 से 36,000
दिल्ली एम्स	26,000 से 30,000
कर्नाटक	15,000 से 30,000
उत्तर प्रदेश	25,000
बिहार	15,000 से 27,000
गुजरात	18,000 से 22,000
महाराष्ट्र	18,000
मध्य प्रदेश	14,300
जम्मू और कश्मीर	12,300 (रुपए)

पुलिस लाठी चार्ज में घायल हुए इंटर्न डॉक्टर

हमीदिया अस्पताल के एमरजेंसी गेट के बाहर शांतिपूर्वक स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन वाटर केनन का इस्तेमाल किया गया, जिससे कान के पर्दे भर गंभीर चोट आई है.

शिवांशु तिवारी, इंटर्न डॉक्टर

शांतिपूर्ण प्रदर्शन में भी जबरन हम पर लाठी चार्ज किया गया. जिसमें मेंरा हाथ भी टूट गया. सरकार को चाहिए कि मामले में संज्ञान लेकर दोषियों पर कार्रवाई करे.

यश सिंह, इंटर्न डॉक्टर

इंटर्न डॉक्टर ने कहा देश भर में सबसे कम स्टाइपेंड मिलता है लगातार 12-12 घंटे काम करते हैं, लेकिन जब हक की बात करने निकले तो हम पर लाठियां चलाई गई, वाटर कैनन से कान का पर्दे और आंख में चोट आई है.

इंटर्न डॉक्टर ने बताया कि पुलिस को पहले से प्रदर्शन की जानकारी दे दी गई थी, शांतिपूर्वक अपनी मांगो को सरकार के समक्ष रख रहे थे, लेकिन बदले में डडे मारे गये, कई डॉक्टरों को चोटें आईं हैं.

एक नजर में

कार ने बाइक सवार युवकों को रौंदा, दो मृत

दतिया. नेशनल हाईवे-44 पर गर्ल्स हॉस्टल के सामने तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी. हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई .मृतकों की पहचान दतिया में हड़ा पहाड़ के पास रहने वाले युवकों के रूप में हुई है.

कार ने ऑटो समेत कई वाहनों को मारी टक्कर

ग्वालियर. विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने सड़क पर जमकर कहर बरपाया. एसपी कार्यालय के सामने बेकाबू कार ने ऑटो रिक्शा, बाइक वाहनों को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि यात्रियों से भरा ऑटो सड़क पर पलट गया.

ट्रक ने बोलेरो को मारी टक्कर, 6 की मौत

बालाघाट. जिले के रजेगांव से लगे महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में महाराष्ट्र-मप्र स्टेट हाईवे पर नागरा गांव के पास देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया. तेज रफ्तार ट्रक और मजदूरों से भरी बोलेरो के बीच आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं.

'छात्रों की गूंज' में पंजीयन एक लाख पार, स्थान फाइनल नहीं

नव भारत न्यूज

इंदौर, 8 सितंबर. राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लाकर प्रशासन द्वारा अभी तक शहर में कांग्रेस को किसी भी स्थान की अनुमति नहीं दी गई है.

शहर कांग्रेस द्वारा नगर निगम, कलेक्टर कार्यालय, इंदौर विकास प्राधिकरण सहित कई जगह आवेदन दिया है. प्रशासन, नगर निगम और आईडीए द्वारा जगह देने से मना भी नहीं किया जा रहा है. दूसरी ओर राहुल गांधी के कार्यक्रम हेतु छात्रों के पंजीयन का आंकड़ा 1 लाख पार हो चुका है.

राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम हेतु शहर कांग्रेस द्वारा आईडीए का मैदान तय, लेकिन उक्त स्थान की अभी तक अनुमति जारी नहीं.

राहुल गांधी का 19 सितंबर को इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम तय है . इसको लेकर प्रशासन द्वारा स्थान की अभी तक अनुमति नहीं दी गई है.

प्रमोशन में 50% आरक्षण की सीमा न टूटे : हाईकोर्ट

जबलपुर. हाईकोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों की पदोन्नति में आरक्षण को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया है. न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के किसी भी शासकीय विभाग में पदोन्नति के दौरान आरक्षण की 50 प्रतिशत की निर्धारित सीमा का उल्लंघन नहीं होना चाहिए. इस व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने और इसकी निगरानी की जिम्मेदारी सीधे राज्य के मुख्य सचिव को सौंपी गई है.

जिम फिटनेस ने की 1 करोड़ से ज्यादा टैक्स चोरी

जीएसटी अमले ने पांच सेंटर से जब्त किए दस्तावेज, फीस ली लेकिन बिल नहीं दिए

नवभारत न्यूज

भोपाल, 8 सितंबर. राजधानी में जीएसटी विभाग की कार्रवाई में टैक्स चोरी का बड़ा मामला सामने आया है. सेंट्रल जीएसटी की स्पेशल विंग ने जिम फिटनेस 365 डिग्री के भोपाल स्थित पांच सेंटरों पर सोमवार सुबह एक साथ जांच शुरू की. 36 घंटे चली कार्रवाई में 1 करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स चोरी का अनुमान है.

जिम संचालक हुजेफा कुरैशी ने कई ग्राहकों से भुगतान लेने के

बावजूद बिल जारी नहीं किए गए. जीएसटी टीम ने जिम के 24 महीने के लेन-देन, बिलिंग और अन्य रिकॉर्ड की जांच कर रही है.

सारंगपुर में किराना कारोबारियों पर छापे

इधर, स्टेट जीएसटी भोपाल की टीमों ने सोमवार और मंगलवार को राजगढ़ जिले के सारंगपुर में बड़े किराना कारोबारियों की दुकानों का सर्वे किया. टीमों ने खातों, स्टॉक और टैक्स रिकॉर्ड की जांच की. करीब आधा दर्जन दुकानों का टर्नओवर करोड़ों रुपए में मिला, जबकि बिलिंग में कारोबार काफी कम दर्ज पाया गया. जांच के दौरान कुछ कारोबारियों द्वारा गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने और कुछ फर्मों के बिना जीएसटी पंजीयन कारोबार करने की जानकारी भी सामने आई है.

फिटनेस 365 डिग्री के चूनाभट्टी, कोहेफिजा, बावड़िया कलां, सिंधी कॉलोनी और जेके रोड स्थित सेंटरों पर एक साथ कार्रवाई की गई. कार्रवाई प्रधान आयुक्त एन. पदमश्री के निर्देश पर की गई. जीएसटी ने सभी सेंटरों को सील कर दिया है.

भ्रष्टाचारी इंजीनियर को 5 साल की जेल

पीएचई में पदस्थ अफसर को 24 साल पुराने मामले में कोर्ट ने सुनाई सजा

नव भारत न्यूज

इंदौर, 8 सितंबर. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के तत्कालीन कार्यपालन यंत्री कैलाशचंद्र परवाल को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के 24 साल पुराने मामले में विशेष न्यायालय मंडलेश्वर ने पांच साल के सश्रम कारावास और 25 लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है.

फैसला विशेष एवं प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश राजकुमार चौहान की अदालत ने सुनाया. सजा के बाद परवाल को उपजेल मंडलेश्वर भेज दिया. लोकायुक्त की अधिकृत जानकारी के अनुसार यह मामला 2002 में सामने आया था. धार निवासी शैलेन्द्र जोशी की 50 हजार रुपए रिश्वत मांगने की शिकायत पर लोकायुक्त ने तत्कालीन कार्यपालन यंत्री परवाल को रिश्वत लेते पकड़ा था. इसी मामले की विवेचना के दौरान उसकी संपत्ति की जांच हुई, जिसमें आय के अनुपात में अधिक संपत्ति मिलने पर 8 सितंबर 2002 को आय से अधिक संपत्ति का प्रकरण दर्ज किया था. जांच में 1 अगस्त 1981 से 8 सितंबर 2002 तक की अवधि में परवाल की ज्ञात स्रोतों से आय 34 लाख 64 हजार 528 रुपए पाई गई. इसके मुकाबले संपत्ति और विभिन्न मदों में उसका खर्च 1 करोड़ 8 लाख 70 हजार 213 रुपए मिला.

इनका कहना है

मामले में अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी माना है. उसे पांच वर्ष के सश्रम कारावास और 25 लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है.

प्रकाश सोलंकी, विशेष लोक अभियोजक

कलेक्टर के सामने युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

नव भारत न्यूज

इंदौर, 8 सितंबर. आज कलेक्टर कार्यालय में जन सुनवाई के दौरान एक युवक द्वारा आत्मदाह का प्रयास किया गया. कार्यालय में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूझबूझ से युवक को बचा लिया गया. कलेक्टर ने युवक को हरसंभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया.

कलेक्टर कार्यालय में प्रति मंगलवार जनसुनवाई होती है . आज जनसुनवाई के बीच एक

इंदौर में जनसुनवाई के दौरान मचा हड़कंप

युवक ने तारपीन छिड़क कर आत्मदाह का प्रयास किया. युवक अपना डीजे वाहन जब्त करने से दुखी था, क्योंकि उसकी रोजी रोटी उसी से चलती थी. कलेक्टर कार्यालय में तारपीन छिड़क कर आत्मदाह का प्रयास करने वाले युवक का नाम आकाश जाटव है .

रीवा में यूकां कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने भांजी लाठी

- मंत्री के बंगले का घेराव, पुलिस ने छोड़ा वाटर कैनन
- पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को लिया हिरासत में

रीवा नवभारत

रीवा, 8 सितंबर. रीवा जिले में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की बदहाली और अस्पताल में हुई जच्चा-बच्चा की मौत को लेकर यूथ कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष यस घनघोरिया के नेतृत्व में उग्र विरोध प्रदर्शन किया.

सूबे के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के निवास का घेराव करने निकले आक्रोशित यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा, जिसके बाद पूरा इलाका छावनी में तब्दील हो गया. प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन पानी की बौछार चलाई और आंसू गैस के तीन गोले दागे. इस दौरान मौके पर भारी हंगामा और पुलिस व कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झूमाझटकी देखने को मिली. बता दे की स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ कई दिनों से जारी इस आक्रोश को देखते हुए प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर रखे थे. उपमुख्यमंत्री के रीवा स्थित निज निवास की ओर जाने वाले सभी मुख्य मार्गों पर भारी बैरिकेडिंग की गई थी और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात था. जैसे ही यूथ कांग्रेस का विशाल हुजूम नारेबाजी करते हुए विवेकानंद पार्क से शिल्पी प्लाजा की तरफ बढ़ा, पुलिस ने उन्हें मानस भवन के बीच रास्ते में ही रोक लिया.

आपदा | मैहर जिले के मौहारी गांव में पहुंचा हाथियों का झुंड, कई घर क्षतिग्रस्त, मवेशियों की मौत

आधी रात हाथियों का उत्पात, किसान की मौत

नवभारत न्यूज

मैहर, 8 सितंबर. जिले के रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरैना पंचायत के सिंहपुर मौहारी गांव में बीती रात दर्दनाक घटना में एक किसान की मौत हो गई. बताया जा रहा है को सोमवार की रात से ही सीमावर्ती क्षेत्र से लगे गांव में जंगली हाथियों के झुंड की दस्तक मैहर जिले के रामनगर में देखी गई थी. जिसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दी गई थी.

उसी रात जंगली हाथियों का झुंड गांव में घुस गया और जमकर उत्पात मचाया. हाथियों ने कच्चे मकान को निशाना बनाया. मकान में सो रहे कंछेदी यादव का सामना हाथियों से हो गया और हाथियों के कुचलने से ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई. हाथी ने गांव में कई मकानों को भी नुकसान पहुंचाया, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है.

जानकारी के मुताबिक, बाणसागर जलाशय के डूब क्षेत्र में जंगल के किनारे बने मकान में हाथी ने रात में हमला किया. इस दौरान 3 मिट्टी के घरों को नुकसान पहुंचा और 2 बकरियों की मौत हो गई. ग्रामीणों के अनुसार, हाथी के उत्पात से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई.

गांव के सरपंच बीपेन्द्र प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि वन विभाग को सूचना देने के बावजूद टीम चार घंटे बाद मौके पर पहुंची. वन विभाग के अनुसार, हाथी की वर्तमान मूवमेंट गोरसरी पहाड़ क्षेत्र में बताई जा रही है. ग्रामीणों में हाथी के दोबारा गांव की ओर आने को लेकर भय बना हुआ है. प्रशासन और वन विभाग की टीम हाथी की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है.

भिंड में लंपी वायरस की चपेट में गोवंश

भिंड. जिले के लहार अनुभाग के कई गांवों में गोवंश में लंपी वायरस के संक्रमण की आशंका से ग्रामीणों और गौरक्षकों में चिंता बढ़ गई है. ग्रामीणों का दावा है कि रावतपुरा कलां सहित आसपास के क्षेत्रों में कई गायें संक्रमण की चपेट में हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है. कुछ पशुओं की मौत होने की बात भी सामने आई है. संक्रमण की आधिकारिक पुष्टि के लिए पशुपालन विभाग की जांच जरूरी है. गौरक्षकों का कहना है कि समय रहते संक्रमित पशुओं की पहचान, उपचार और स्वस्थ गोवंश का वैक्सीनेशन नहीं कराया गया तो संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ सकता है.